Tc.No. : GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 2 , बुधवार, 24 जनवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

बहादुर बच्चों ने की मेट्रो की सवारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार के लिए चुने गए बहादुर बच्चों ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मेट्रो की सवारी की और मेट्रो संग्रहालय देखा। दिल्ली मेट्रो के अनुसार वीरता पुरस्कार के लिए चुने गए बच्चों ने केन्द्रीय सचिवालय स्टेशन से चलकर पटेल चौक स्टेशन पर पहुंचे और यहां पर उन्होंने मेट्रो संग्रहालय देखा। आधा घंटा बिताने के बाद ये बच्चे कश्मीरी गेट के लिए मेट्रो में चढ़े। इनके साथ परिवार के सदस्य तथा भारतीय बाल कल्याण परिषद के अधिकारी भी थे। वर्ष 2017 के लिए 18 बच्चों को साहसिक कारनामों के लिए वीरता पुरस्कारों के लिए चुना गया है । इनमें से तीन को यह पुरस्कार मरणोपरांत दिया जा रहा है।

आयोग की सिफारिशें लौटाने का साहस दिखाएं महामहिम : आशुतोष

नई दिल्ली। लाभ के पद मामले में अपने 20 विधायकों की सदस्यता खत्म हो जाने से खफा आम आदमी पार्टी ने इसे लेकर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद पर तंज कसते हुए कहा है कि वह इस बारे में चुनाव अयोग की ओर से की गई सिफारिशों को लौटाने का साहस दिखाएं। पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष ने सोमवार को ट्वीट करते हुए कहा, ''उम्मीद करते हैं कि महामहिम को यह ज्ञात होगा कि पूर्व राष्ट्रपति केआर नारायणन ने संविधान के संरक्षक के तौर पर अहम भूमिका निभाते हुए केन्द्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिशों को एक बार नहीं दो बार लौटाया था।' उन्होंने एक ''रबर की मुहर' की तरह नहीं बल्कि अपने अधिकारों का पूरा इस्तेमाल करने वाले एक महान राष्ट्रपति की तरह काम किया था।

दो गुटों में पथराव व मारपीट

पूर्वी दिल्ली (एजेंसी)। थाना कल्याणपुरी क्षेत्र में रविवार रात समझौते के लिए पहुंचे दो गुटों में झगड़ा हो गया और देखते ही देखते झगड़ा उपद्रव में बदल गया। झगड़े में 13 ब्लॉक के कुछ लोगों ने 17 और 21 ब्लॉक में रहने वाले कुछ लोगों से मारपीट की और दोनों तरफ से पथराव शुरू हो गया। पथराव में राहुल ढिल्लो (24), बिल्लू (34) व लाखन (15) गंभीर रूप से घायल हो गए। राहुल को लोकनायक, जबकि अन्य दोनों को लालबहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि राकेश (28) को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। इसके अलावा पांच अन्य लोगों लोगों को भी चोटें आई हैं। पुलिस के मुताबिक दोनों गुटों की शिकायत पर क्रास एफआइआर दर्ज कर पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक गत 17 दिसम्बर को 17 ब्लॉक के कुछ लोगों ने 13 ब्लॉक के दो नाबालिगों को झपटमारी करते हुए पुलिस के हवाले कर दिया था। पुलिस ने दोनों को जुवेनाइल कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें नशामुक्ति केंद्र भेज दिया गया। इस मामले को लेकर 13 और 17 ब्लॉक के बीच तनातनी चल रही थी। रविवार को दोनों ब्लॉक के लोग समझौते के लिए बैठे थे। इसी दौरान झगड़ा शुरू हो गया। झगड़े में उन लोगों को भी चोटें आई जो किसी गुट में नहीं थे। उपद्रव में पूर्व उपमहापौर राजकुमार ढिल्लो के बेटे राहुल को गंभीर चोटें आई हैं। उसकी घर के नीचे ही परचून की दुकान है। राहुल ने बताया कि वह दुकान बंद करने वाले थे। इतने में कुछ युवक दुकान में घुसकर तोड़फोड़ करने लगे। विरोध करने पर रॉड से उनके सिर पर मारकर युवक गल्ले से पांच-छह हजार रपए लूटकर फरार हो गए। पीड़ित के मुताबिक बदमाशों के हाथ में तलवार भी थी।

एक तरफा प्यार में युवक की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। थाना बेगमपुर पुलिस ने एकतरफा प्यार में युवक की हत्या के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर उससे हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद किया है। पकड़े गए आरोपी का नाम नीरज है। के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक रविवार सुबह आठ बजे बेगमपुर एक्सटेंशन क्षेत्र में सर्विस लेन पर युवक का शव पड़ा था। मृतक की शिनाख्त आकाश के रूप में हुई। एसीपी बवाना सौरभ चंद्रा की निगरानी में बेगमपुर थाना प्रभारी रामस्वरूप की टीम गठित की गई। युवक की शिनाख्त के बाद उसके परिजनों से पूछताछ में पुलिस को पता चला कि आकाश हापुड़ का रहने वाला था और शाहबाद डेयरी क्षेत्र में अपने चाचा जगमोहन के साथ रहता था। जगमोहन ने बताया कि उसके साथ साला धीरज और उसकी पत्नी मीनाक्षी भी रहती है। रविवार को सिलेंडर भरवाने गया आकाश वापस नहीं लौटा। जो मीनाक्षी से एकतरफा प्यार करता था। पुलिस ने सोमवार को उसे गिरफ्तार कर लिया।

आज फुल ड्रेस रिहर्सल : 1 बजे तक इंडिया गेट, आईटीओ व लाल किला पर ट्रैफिक और आसपास के स्कूल बंद रहेंगे

नई दिल्ली

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने मंगलवार को गणतंत्र दिवस से पहले रिपब्लिक डे परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। इंडिया गेट, विजय चौक, लाल किला, आईटीओ का क्षेत्र मंगलवार दोपहर एक बजे तक ट्रैफिक बंद रहेगा। लाल किला, विजय चौक, इंडिया गेट के 5 किमी. के दायरे के स्कूल बंद रहेंगे। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की जॉइंट सीपी गरिमा भटनागर ने बताया कि विजय चौक से होते हुए राजपथ इंडिया गेट से होते हुए तिलक मार्ग से बहादुर शाह जफर मार्ग से नेताजी सुभाष मार्ग से होते हुए लाल किला पर रिहर्सल पहुंचेगी।

दिल्ली कैंट रंग शाला में कतार में खड़ी झांकी -फोटो विजय कुमार

यहां रहेगा ट्रैफिक बैन

- राजपथ से रफी मार्ग पर 26 जनवरी की परेड खत्म होने तक ट्रैफिक पर प्रतिबंध रहेगा।
- इंडिया गेट के सी हेक्सागन से तिलक मार्ग तक 1 बजे तक ट्रैफिक प्रतिबंधित रहेगा।

उत्तर से दक्षिण की ओर ऐसे जाएं

- उत्तर से दक्षिणी जाने वाले लोग आश्रम चौक से सराय काले खां होते हुए आईपी फ्लाईओवर से राजघाट व रिंग रोड यूज कर सकते हैं।
- लोथी रोड टी-पॉइंट, अरविंदो मार्ग, एम्स चौक, रिंग रोड, धौला कुआं, वंदे मातरम् शंकर रोड, पार्क स्ट्रीट मंदिर मार्ग रूट इस्तेमाल कर सकते हैं।

भारत का ओसामा बिन लादेन माना जाता है तौकीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोस्टवॉन्टेड आतंकी अब्दुल सुबहान कुरैशी उर्फ तौकीर (46) को भारत का ओसामा बिन लादेन माना जाता है। सूत्रों के मुताबिक भारत में कई बम धमाकों को अंजाम देने के बाद यह आतंकी मध्य प्रदेश, रांची तथा बिहार होते हुए रक्सौल बार्डर से नेपाल चला गया था और अंग्रेजी शिक्षक बनकर आतंकी गतिविधियों को संचालित कर रहा था। दिल्ली में सीरियल ब्लास्ट के बाद इसी आतंकी ने अल अरबी के नाम से सुरक्षा एजेंसियों को मेल भेजकर सीरियल ब्लास्ट की जिम्मेदारी ली थी। हालांकि दिल्ली पुलिस हर पहलू ध्यान में रखकर गहन छानबीन में कर रही है। पुलिस सूत्रों ने

जेहाद के नाम पर युवकों को भड़काता था 23 सीरियल ब्लास्ट के बाद कई राज्यों की पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों को थी उसकी तलाश

बताया कि यह आतंकी इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) का सह संस्थापक रहने के अलावा प्रतिबंधित स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफइंडिया (सिमी) का सेकेंड टॉप लीडर था। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सफदार नागौरी के गिरफ्तार किए जाने के बाद तौकीर बदले की आग में जलने लगा और उसने इंडियन मुजाहिदीन के कर्ताधर्ता भटकल बंधुओं से मिलकर गुजरात सीरियल ब्लास्ट की साजिश रच डाली। उसने गुजरात में बम धमाके करने के लिये आईएम से जुड़े रियाज भटकल को अपने प्लान में शामिल किया। जिसके बाद भटकल बंधु तौकीर से पुणो में मिला और इंडियन मुजाहिदीन से जुड़े युवकों ने गुजरात के अहमदाबाद और सूरत में बम प्लांट करने का काम किया।

इस हमले के मद्देनजर अहमदाबाद के अलग अलग बीस थानों में मुकदमे दर्ज किए गए। हालांकि सूरत के करीब 29 स्थानों पर फिट किए गए एक्सप्लोसिव तकनीकी कारणों से विस्फोट नहीं हो सके। कई राज्यों की पुलिस को थी।

तौकीर की तलाश : अहमदाबाद में हुए 23 सीरियल ब्लास्ट के बाद से अब्दुल की कई राज्यों तथा अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तलाश थी। इस आंतकी ने हमले के बाद भी भारत में ही छिपकर इधर-उधर रहा और बाद में रक्सौल बार्डर से नेपाल भाग गया।

पढ़ा लिखा है तौकीर : पेशे से इंजीनियर अब्दुल की पढ़ाई अंग्रेजी माध्यम से देश के विभिन्न कॉन्वेंट स्कूलों तथा कॉलेजों में हुई है। फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने के साथ-साथ वह कई भाषाओं को भी अच्छी तरह से जानता है। पुलिस ने बताया कि अब्दुल के गुजरात ब्लास्ट के अलावा जुलाई 2006 में मुंबई रेल धमाकों में भी हाथ होने का शक है।

चार राज्य में लगाया ट्रेनिंग कैम्प : साल 2006 को मुंबई में हुए ट्रेन बम धमाकों के पीछे अब्दुल का नाम आते ही वह मुंबई से कनार्टक भाग गया। साल 2007 व 2008 में इस आतंकी ने सिमी के लिए चार ट्रेनिंग कैंप मध्यप्रदेश, गुजरात, केरल तथा कर्नाटक में लगाए थे। चोरल, हुबली, वैगामोन व हलोल में लगाए गए कैंप में शामिल होने वाले आतंकियों को अब्दुल व नागौरी ने मिलकर प्रशिक्षित किया था।

अंग्रेजी शिक्षक बन कर छिपा था नेपाल में : गुजरात ब्लास्ट के बाद भारत छोड़कर तौकीर नेपाल चला गया। नेपाल के बीरत नगर में उसकी मुलाकात निजाम खान नामक एक शख्स से हुई। जो नेपाल डवलपमेंट सोसायटी के नाम से एक निजी संस्था चलाता है।

समाज को ऐसे और अधिक रोल माडल की आवश्यकता

एलजी ने वीरता पुरस्कार विजेताओं को किया सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराज्यपाल अनिल बैजल ने राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार 2017 से सम्मानित बच्चों को सोमवार को राज निवास में आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मानित किया। 18 बच्चों में से दो लड़कियों एवं एक लड़के को मरणोपरांत यह सम्मान दिया गया।

18 बच्चों में से सात लड़कियां एवं ग्यारह लड़के शामिल हैं उपराज्यपाल ने उनके साहसिक कायरे के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह एक बड़ी उपलब्धि है जो कि उन्होंने अदम्य साहस दिखाते हुए दूसरों को बचाया बल्कि मानवता के प्रति अपने कर्तव्यों को भी पूरा किया। उपराज्यपाल ने आशीर्वाद देते हुए उनके जीवन में सफलता, अच्छे स्वास्य एवं उज्जवल भविष्य की कामना की ताकि वे समाज में सुधार लाने के लिए अपनी सकारात्मक ऊर्जा का उपयोग कर सकें एवं अधिक से अधिक लोगों को नि:स्वार्थ सेवा के लिए प्रेरित कर सकें। उन्होंने उन बच्चों को श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने दूसरों को बचाने के लिए अपना बलिदान दे दिया। भारत अवार्ड उत्तर प्रदेश के कुमारी नाजिया को दिया। नाजिया ने कई बदमाशों और उनकी तमाम धमकियों का मुकाबला कर कई दशकों से चल रहे जुए एवं सट्टे के अवैध व्यवसाय को बंद कराया था।

गीता चोपड़ा अवार्ड मरणोपरान्त कर्नाटक की कुमारी नेत्रावती एम चावन को दिया गया।

नेत्रावती ने तालाब में डूबते दो बच्चों की जान बचाने के लिए खुद की जान गंवा दी। प्रतिष्ठित संजय चोपड़ा अवार्ड पंजाब के मास्टर कर्णवीर सिंह को दिया गया। कर्णवीर ने पुल तोड़कर नाले में जा गिरी स्कूली बस में फंसे बच्चों की जान बचाई थी। बापु गयाधनी अवार्ड इस बार तीनों बच्चों को दिया गया। इनमें आग की लपटों में घिरे छोटे भाई की जान बचाने वाले मेघालय निवासी मास्टर बैट्श्वाजान पेनलांग, मगरमच्छ के चंगुल से एक लड़की की जान बचाने वाली ओड़िसा की कु0 ममता दलाई और ट्रेन की चपेट में आने से अपने मित्र का जीवन बचाने वाले केरल निवासी मास्टर सेबेस्टियन विन्सेट हैं। अन्य पुरस्कार विजेताओं में छत्तीसगढ़ की कु लक्ष्मी यादव, नागालैंड की कु मनसा एन, नागालैंड के मास्टर एन.शेनपांन कोनयक, नागालैंड के मास्टर योकनई नागालैंड के मास्टर चिंगई वांगशा, गुजरात की कु समृद्धि सुशील शर्मा, मिजोरम के मास्टर जोनंदुलांगा, उत्तराखंड के पंकज सेमवाल, महाराष्ट्र के मास्टर नदाफ एजाज अब्दुल रउफ मणीपुर के स्व. कु. लुक्राकपम रजेश्वरी चानू, मिजोरम के स्व. मास्टर एफ लालछांदामा एवं ओड़शि के पंकज कुमार महंत हैं।

पहले चरण में 8 खेलों के लिये 27 स्कूलों में किया गया था अलॉटमेंट

राजकीय स्कूलों में 31 खेलों को नि:शुल्क प्रशिक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजकीय विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों के समग्र विकास को समर्पित सरकार की खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने की योजना के तहत विद्यालय में अकादमी/क्लब या प्रशिक्षक को जगह अलॉट करने के लिए आवेदन मांगे गए हैं। सरकार की योजना के तहत अकादमियों को यह अलॉटमेंट दो साल के लिए मिलेगा। दिल्ली शिक्षा निदेशालय में उपनिदेशक खेल आशा अग्रवाल की ओर से जारी किए गए परिपत्र में कहा गया है कि इसबार राजकीय विद्यालय में 31 खेलों संबंधी गतिविधियों को संचालित करने के लिए अकादमियों, क्लबों और प्रशिक्षकों से आवेदन मांगे हैं। परिपत्र में कहा गया है कि जिन अकादमियों, क्लबों या प्रशिक्षकों को स्कूल अलॉट किया जाएगा उन्हें बराबर अनुपात में ही गैर सरकारी स्कूलों को सशुल्क प्रशिक्षण देने की अनुमति होगी। जबकि इसके बदले में इन्हें राजकीय विद्यालय के विद्यार्थियों को निशुल्क प्रशिक्ष्ण देना होगा। इन अकादमियों, क्लबों या प्रशिक्षकों को छात्रों के लिए संबंधित खेल के लिए आवश्यक किट का इंतजाम भी करना होगा, छात्रों को भी अपनी किट लाने की छूट होगी। इससे पहले सरकार ने सूचना जारी कर कहा था कि पहले चरण के अलॉटमेंट में 8 खेलों के लिए 27 स्कूलों में अकादमियों को खेल गतिविधियां संचालित करने के लिए अनुमति दी गई थी।

मुआवजे को लेकर दोहरे मापदंड अपना रहे हैं केजरीवाल : भाटी

नई दिल्ली। बवाना अग्निकांड में मारे गए मजदूरों के परिजनों को सरकारी सहायता दिलाने के लिए अन्य मजदूरों के साथ भारतीय मजदूर संघ दिल्ली सरकार के विरुद्ध अभियान शुरू करेगा। संघ के प्रदेश अध्यक्ष बीएस भाटी ने केजरीवाल सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने में ही दोहरा मापदण्ड अपना रहे हैं। जबकि 17 परिवार उजड़ गए हैं, उनके परिवारों में अब कमाने वाला कोई नहीं बचा है। इसलिए सरकार को यह ध्यान में रखकर मुआवजा घोषित करना चाहिए। संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि केजरीवाल सरकार के लिए यह समय पीड़ितों की मदद करने का है लेकिन वह एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाने में मस्त हैं। भाटी ने केजरीवाल को याद दिलाते हुए कहा कि बीते साल दिल्ली पुलिस के एक जवान की मौत पर केजरीवाल ने एक करोड़ के मुआवजे की घोषणा की थी। इन गरीब मजदूरों के लिए केवल पांच लाख रपए देने की बात कर रहे हैं जबकि यह सभी परिवार बेहद गरीब, उनके सामने रोजमर्रा के खाने का भी संकट है।

हादसे होने के बाद ही क्यों जागती है सरकार

बवाना अग्निकांड ने खड़े किए कई सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बवाना अग्नीकांड में 17 मजदूरों की जान जाने के बाद सरकार व जांच एजेंसियां काफी सक्रियता के साथ जांच व अन्य कार्रवाई करने में जुटी हैं।

जांच के दायरे में हादसे के कारणों का पता लगाने की कोशिशें की जा रही हैं। ऐसे हादसे न हों इसकी कोशिशें कम ही दिखाई पड़ती हैं। इस संबंध में जब ग्राउण्ड जीरो पर लोगों से रिपोर्ट लेने की कोशिश की गई, तो कई हैरान करने वाले तय सामने आए। इन तयों से जहां कुछ सवालों के जवाब मिले, वहीं कुछ नए सवाल हमारे सामने खड़े हो गए।

मृतकों में महिलाओं की संख्या ज्यादा क्यों.. : हादसे में जिन 17 लोगों की मौत हुई है, उनमें 10 महिलाएं व 7 पुरु ष शामिल हैं। हालांकि मरने वालों में महिलाओं की संख्या ज्यादा होना अचंभित नहीं करता, लेकिन कुछ सवाल जरूर खड़ा करता है। मौके पर पहुंचकर इस बारे में वहां मजदूरों से बातचीत करने इसके पीछे मजदूरों का शोषण छुपा है। दरअसल बवाना औद्योगिक क्षेत्र में गोदाम व फैक्टरी के मालिक काफी कम तनख्वाह जो महज 5 हजार से 6 हजार के बीच होती है, में मजदूरों से काम करवाते हैं।

ऐसे में कम पढ़ी लिखी महिलाएं जो आर्थिक स्थिति से तंग आकर अपने परिवार को पालने में सहयोग करना चाहती हैं वे ऐसी जगहों पर काम करने के लिए आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं। ईएसआई, पीएफ बोनस आदि मिलना तो दूर की बात है, सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन तक नहीं उन्हें नहीं मिलता।

शनिवार को छुट्टी के दिन भी मजदूरों से काम लिया जा रहा था : फैक्टरी मालिक शनिवार को अवकाश के दिन भी मजदूरों से ओवरटाईम करवा रहा था। जिस दिन हादसा हुआ उस दिन सारे मजदूर अवकाश होने के बाद भी मालिक के दबाव के कारण काम कर रहे थे। वहीं घटनास्थल के पास ही मौजूद एक चाय वाले ने दावा किया कि घटना से ठीक पहले उसने फैक्टरी में 35 चाय भेजी थी। जिसका अर्थ है की घटना से ठीक पहले फैक्टरी में 30 से ज्यादा लोग मौजूद थे। इलाके में चल रहे हैं।

पटाखे के और भी कारखानें : हादसे का गवाह बना पटाखा गोदाम व कारखाना इलाके में एक मात्र पटाखा फैक्टरी नहीं है। इलाके में और भी पटाखा बनाने की फैक्टरियां अवैध रूप से धड़ल्ले से चल रही हैं।

घटनास्थल के बिल्कुल पास ही एक पटाखे की फैक्टरी मौजूद है। लेकिन उनकी निगरानी करने वाला कोई नहीं है। उन फैक्टरियों में भी सुरक्षा के कोई उपाय नहीं हैं। जहां जान को जोखिम में डालकर कई मजदूर काम करते हैं।

इलाके में अधिकांश कारखानें अत्यधिक प्रदूषणकारी : मजदूर संघ के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक इलाके में ज्यादातर कारखाने ऐसे हैं, जहां से काफी प्रदूषण निकलता है। इनमें इंजेक्शन मॉल्डिंग की जाती है, जूतों की फैक्टरी है, जींस डाइ करने का कारखाना है व प्लास्टिक की कई वस्तुएं बनाने का भी कारखाना है।

पूरे इलाके में करीब 4 से 5 लाख मजदूर काम करते हैं, जिनका स्वास्य इन कारखानों में काम करने से काफी प्रभावित होता है। साथ ही इन जगहों पर प्रदूषण नियंतग्रव सुरक्षा का कोई प्रावधान नहीं है।

सरकार व पुलिस की लापरवाही सामने आई : मजदूर संघ के महासचिव राजेश ने बताया कि बवाना के साथ अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में पुलिस व प्रदेश सरकार के श्रम विभाग की मिली भगत से फैक्टरी मालिक मानमानी कर मजदूरों से काम करवाते हैं। हर औद्योगिक क्षेत्र में सरकार द्वारा फैक्टरी व गोदाम निरीक्षक नियुक्त किए जातें हैं, लेकिन उसका लाभ मजदूरों को मिलने की बजाए फैक्टरी मालिकों को मिलता है।

मजदूरों ने की सरकार से मांग: मजदूर युनियन ने घटना के बाद सरकार के श्रम मंत्री से इस्तीफा देने की मांग करते हुए बवाना औद्योगिक क्षेत्र के नियुक्त किए गए फैक्टरी निरीक्षक को गिरफ्तार कर उसपर हत्या के मुकदमे के तहत कार्रवाई करने की मांग भी की है। साथ ही मजदूरों के हितों की निगरानी किए जाने व मनमानी करने वाले फैक्टरी मालिकों को किसी तरह से कानूनी कार्रवाई से छूट नहीं दी जाने की भी मांग की है।

जिस प्रकार बिना जल के धान नहीं उगता उसी प्रकार बिना विनय के प्राप्त की गई विद्या फलदायी नहीं होती -भगवान महावीर

आम आदमी पाटी

आम आदमी पार्टी के 20 विधायकों की सदस्यता रद्द होने से पार्टी को गहरा झटका लगा है। चुनाव आयोग की सिफारिश को राष्ट्रपति द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के बाद अब सबकी निगाहें दिल्ली हाईकोर्ट पर जाकर टिक गईहैं। देश की राजनीति में शुचिता और नैतिकता स्थापित करने के साथ राजनीति में कदम रखने वाले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शायद अपने छोटे से राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौती का सामना कर रहे हैं। फरवरी, 2015 के चुनाव में उनकी पार्टी ने दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों में से 67 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया था। पार्टी को मिले इतने विराट बहुमत से उन्हें पार्टी में फूट की आशंका का भय सता रहा था। अपने इस डर को दूर करने के लिए उनकी सरकार ने 13 मार्च, 2015 को एक आदेश पारित करके 21 विधायकों को संसदीय सचिव बनाया था। यहां उल्लेखनीय है कि 1980 में राजीव गांधी की सरकार ने भी अपने सांसदों को एकजुट रखने के लिए दलबदल विरोधी कानून पारित किया था। आम आदमी पार्टी के मसले पर सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने संसदीय सचिव बनाए गए 21 विधायकों की अयोग्यता को लेकर राष्ट्रपति के पास चुनौती दी थी। तब दिल्ली की सरकार ने 2016 में दिल्ली मेंबर्स ऑफ लेजिस्लेटिव असेंबली (रिमूवल ऑफ डिस्क्वालिफिक्रेशन) अधिनियम, 1997 में संशोधन करके लाभ के पद से संसदीय सचिवों को बाहर कर दिया। हालांकि तब के राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने इस संशोधन विधेयक पर हस्ताक्षर नहीं किए और आगे की कार्यवाही के लिए इस मामले को चुनाव आयोग के सुपुर्द कर दिया। कहा जा सकता है कि 21 विधायकों को संसदीय सचिव बनाने का केजरीवाल का इरादा कोई वैष्णवी नहीं था। नैतिक और वैचारिक, दोनों स्तरों पर यह राजनीतिक बेईमानी थी। हालांकि राजस्थान, हरियाणा, अरुणाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना समेत कईराज्य हैं, जहां की सरकारों ने अपने विधायकों को संसदीय सचिव बनाकर रेवड़ियां बांटी हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि एक ही जैसे पद के लिए दिल्ली और दूसरे राज्यों के कानून अलग-अलग कैसे हो सकते हैं? समय की मांग है कि इस मसले की वैधानिकता पर नये सिरे से विचार किया जाए। आम आदमी पार्टी में सत्ता संघर्ष चरम पर है। देखना है कि केजरीवाल इस आसन्न संकट से पार्टी को कैसे उबार पाते हैं।

''ईट का जवाब पत्थर से'

भारत-पाकिस्तान के बीच नियंतग्र रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा रेखा पर तनाव चरम पर है। पाकिस्तानी रेंजर्स की गोलीबारी से दोनों देशों के बीच हालात बेहद तनावपूर्ण हो चले हैं। पिछले चार दिनों में पाकिस्तानी सेना की फायरिंग में 11 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 15 जख्मी हुए हैं। वहीं खतरे को देखते हुए करीब 20 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। हालात 3 जनवरी को तब खराब हुए जब पाकिस्तानी फायरिंग में बीएसएफ के एक जवान की मौत हुई थी। उसके बाद 17 जनवरी को ऐसी ही वारदात में एक और जवान शहीद हो गया। तब से सीमा रेखा पर हालात संभाले नहीं संभल रहे हैं। पाकिस्तान की इस हरकत का हालांकि भारतीय सुरक्षा बल मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं लेकिन क्या इस खूनी जंग पर पूर्ण विराम भी लग पाएगा? पाकिस्तानी गोलीबारी का जवाब उसके सैनिकों को मारकर उनकी चौकियों को बर्बाद करने से लगता है हल नहीं होने वाला। सरकार को अमन बहाली के वास्ते कुछ दूसरे उपाय जल्द-से-जल्द तलाशने होंगे। जानकारों का कहना है कि बॉर्डर पर स्थिति इतनी बदतर पहले कभी नहीं थी। इस नाते सरकार को दो तरफा रणनीति अपनानी होगी। एक तरफउसे पाकिस्तानी बदमिागी का सख्ती से प्रतिउत्तर देना होगा वहीं बॉर्डर के पास स्थित गांवों के लोगों की जिंदगी को भी राहत देनी होगी। सिर्फ गाल बजाने से काम नहीं चलने वाला। गृह मंत्री के सिर्फ''घर में घुसकर मारेंगे' कहने भर से पाकिस्तान का इलाज नहीं हो सकता। ''ईट का जवाब पत्थर से' देने के अलावा बातचीत के विकल्प को भी खुला रखना होगा। पड़ोसी मुल्कों से शांति-सौहार्द बनाए रखना किसी एक की जिम्मेदारी नहीं होती है। अलबत्ता दोनों देशों के शीर्ष नेताओं को रोज-रोज की चिकचिक को दफ्नाने के लिएआगे आना चाहिए। बॉर्डर पर जिस ढंग से हालात बद-से-बदतर हो चले हैं और स्थिति हाथ से न निकल जाए; इसके लिए पाकिस्तान को अच्छे पड़ोसी की भूमिका निभाने के लिए कदम बढ़ाने चाहिए। हालात की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि गोलीबारी रुकने के बावजूद लोगों के चेहरों पर खौफ पसरा हुआ है। लिहाजा स्थायी रूप से शांति

पेट्रोल और डीजल की कीमत

महंगाई बढ़ने से औद्योगिक क्षेत्र की कम ब्याज दर पर कर्ज की मांग पूरी होना मुश्किल है। नियंतण्र स्तर पर काम करने वाली वित्तीय सेवा कंपनी नमुरा ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि चूंकि भारत अपने तेल की कुल जरूरत का करीब 80 फीसदी आयात करता है, अतएव अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कहा गया है कि कच्चे तेल के भाव में प्रति बैरल 10 डॉलर की वृद्धि होने पर भारत का राजस्व घाटा भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.4 प्रतिशत के बराबर बढ़ जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार तेल की उच्च कीमतें झटके के समान हैं, जो वृद्धि दर को कमजोर करती हैं।

सतीश पेडणोकर

पेट्रोल और डीजल की कीमत पिछले तीन वर्ष के उच्चतम स्तर पर है। 22 जनवरी को देश के विभिन्न राज्यों में पेट्रोल की कीमत 72 से 77 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 62 से 67 रुपये प्रति लीटर पाई गई। ऐसे में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण देश के आम आदमी से लेकर पूरी अर्थव्यवस्था मुश्किल का सामना करते हुए दिखाई दे रही है। नियंतण्र बाजार में कच्चे तेल की कीमत करीब 70 डॉलर प्रति बैरल (प्रति बैरल 159 लीटर) हो जाने से देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें वर्ष 2014-15 के बाद अब सबसे अधिक ऊंचाई पर दिखाई दे रही है। चूंकि भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अब नियंतण्र बाजार की कीमतों के आधार पर निर्धारित होती हैं, अतएव पेट्रोल और डीजल की कीमत छोटे-बड़े सभी प्रकार के वाहन चलाने वाले लोगों की जेब को रोजाना प्रभावित कर रही है। वहीं डीजल की बढ़ती कीमत महंगाई बढ़ाते हुए भी दिखाई दे रही है।

देश में करीब 86 फीसद माल की ढुलाई ट्रकों से की जाती है। ऐसे में ढुलाई महंगी होने के कारण विभिन्न वस्तुएं एवं सेवाएं महंगी होते हुए दिखाई दे रही हैं। महंगाई बढ़ने से औद्योगिक क्षेत्र की कम ब्याज दर पर कर्ज की मांग पूरी होना मुश्किल है।

नियंतण्र स्तर पर काम करने वाली वित्तीय सेवा कंपनी नमुरा ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि चूंकि भारत अपने तेल की कुल जरूरत का करीब 80 फीसदी आयात करता है, अतएव अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कहा गया है कि कच्चे तेल के भाव में प्रति बैरल 10 डॉलर की वृद्धि होने पर भारत का राजस्व घाटा भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.4 प्रतिशत के बराबर बढ़ जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार तेल की उच्च कीमतें झटके के समान हैं, जो वृद्धि दर को कमजोर करती हैं।

तेल निर्यातक देशों के संगठन ऑग्रेनाइजेशन ऑफ पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपेक) द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती के समझौते और तेल उत्पादन के प्रमुख केंद्र सऊदी अरब और अन्य पश्चिम एशियाई देशों में संघर्ष के हालात के कारण तेल की दरों में तेजी आई है। यकीनन पिछले तीन सालों तक कच्चे तेल की कमजोर कीमतों का जो लाभ भारत को मिला वह अब समाप्त होता दिख रहा है।

वर्ष 2014-15 में कच्चे तेल की औसत कीमत 84 डॉलर प्रति बैरल थी। यह कीमत उससे पिछले साल की तुलना में करीब 20 फीसदी कम थी। फिर वर्ष 2015-16 में यह कीमत घटकर 45 डॉलर प्रति बैरल हो गई। 2016-17 में इसमें कुछ बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 48 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। लेकिन वर्ष 2017-18 में औसत भाव में सुधार हुआ और तेल की कीमत 54 डॉलर प्रति बैरल अनुमानित है। जनवरी, 2018 में तेल का भाव 70 डॉलर प्रति बैरल दिखाई दे रहा है। नरेन्द्र मोदी सरकार के आने के बाद संयोगवश नियंतण्र बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में कमी आने से भारतीय तेल क्षेत्र और सरकार दोनों इससे लाभान्वित होते रहे। कीमतें घटने से तेल कंपनियों का मुनाफा लगातार बढ़ता गया। जनवरी, 2016 तक पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मई, 2014 की तुलना में करीब 20 फीसद की गिरावट आई। केंद्र सरकार का पेट्रोलियम उत्पादों का सब्सिडी बिल भी प्रति वर्ष कम होता गया। यह बिल वर्ष 2013-14 के 85,000 करोड़ रुपये से घटकर वर्ष 2016-17 में 27,000 करोड़ रुपये रह गया। इस अवसर का लाभ उठाते हुए पेट्रोलियम उत्पादों पर कर भी बढ़ाया गया ताकि घटती कीमतों का लाभ लिया जा सके। वर्ष 2014-15 से 2016-17 तक के तीन वर्षो में उत्पाद शुल्क संग्रह की औसत सालाना वृद्धि दर करीब 46 फीसद रही। इस प्रकार अर्थव्यवस्था राजकोषीय मजबूती की राह पर बढ़ती गई। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि कच्चे तेल की घटी हुई कीमतों ने मोदी सरकार को बहुत खुशहाली दी है। लेकिन केंद्र सरकार यह मानकर 2018-19 का केंद्रीय बजट तैयार कर रही है कि कच्चे तेल के औसत दाम 65 डॉलर प्रति बैरल रहेंगे। इस समय जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में मौजूदा बढ़े हुए स्तर से गिरावट का कोई संकेत नहीं है।

सरकार अपना पूरा ध्यान अपनी ऊर्जा नीति को नये सिरे से तैयार करने पर केंद्रित करे ताकि मौजूदा हालात के लिहाज से बेहतरीन नीति तैयार की जा सके । चूंकि देश तेजी से विकास कर रहा है और 2030 तक आने वाले वर्षो के दौरान ऊर्जा संबंधी मांग बहुत तेजी से बढ़ेगी। इस अवधि में यह मांग दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में तेज होगी। कच्चे तेल के आयात पर इसकी निर्भरता में भी इजाफा होगा। ऐसे में जरूरत इस बात की होगी कि सरकार एकीकृत ऊर्जा नीति तैयार करे। सरकार को नवीकरणीय ऊर्जा बाजार पर ध्यान देना होगा। यहां कुछ बातें ध्यान देने लायक हैं। वर्ष 2016 में बिजली क्षमता बढ़ाने के लिए सौलर फोटोवॉल्टिक तकनीक का प्रयोग अत्यधिक लाभप्रद रहा है। बीते पांच सालों में सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा की नीलामी कीमतें तेजी से कम हुई हैं। नवीकरणीय ऊर्जा तेजी से अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकती है। इस समय सरकार के सामने चिंता यह है कि वह तेल कीमतों को ऊंचे स्तर पर बने रहने से पैदा हने वाले करोड़ों उपभक्ताओं के असंतोष से राजनीतिक जोखिम का सामना करे या फिर राजकोषीय बुद्धिमता को तिलांजली देकर पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज डयूटी कम करे और पेट्रोलियम पदार्थो पर सब्सिडी बढ़ाए। लेकिन इससे राजकोषीय घाटा बढ़ने पर भारतीय अर्थव्यवस्था की सुधरी हुई रेटिंग फिर पिछड़ जाएगी। संभावना है कि आगामी विधान सभा चुनावों के मद्देनजर सरकार वित्तीय अनुशासन की डगर के कुछ पीछे हटते हुए दिखाई देगी।

लोगों को राहत देने के लिए सरकार पेट्रोल-डीजल पर लगाए जा रहे उत्पाद शुल्क और राज्य सरकारें वेट में उपयुक्त कमी करेंगी। साथ ही, केंद्र सरकार पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों पर काबू पाने के लिए पेट्रोल और डीजल को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में शामिल करके आम आदमी को राहत देगी।

चलते चलते

पकौड़ों का ठेला

एक बेटा बहुत होशियार था,आईआईटी, आईआईएम से पढ़कर एमबीए हो गया और फिर आईएएस। एक बहुत ही लफंडर टाइप था, सो नेता बनकर मंत्री बन गया। एक बेटा मस्त मौला था। कुछ करता-धरता न था, एक दिन बाप ने उसे ताना दिया-काबिल बच्चा हो।

समय की बात है, एक बेसन कारोबारी था। उसके तीन बेटे थे-एक बेटा बहुत होशियार था, आईआईटी, आईआईएम से पढ़कर एमबीए हो गया और फिर आईएएस। एक बहुत ही लफंडर टाइप था, सो नेता बनकर मंत्री बन गया। एक बेटा मस्त मौला था। कुछ करता-धरता न था, एक दिन बाप ने उसे ताना दिया-काबिल बच्चा हो तो इस बेसन की बोरी से भी दुनिया को कब्जा करने का इंतजाम कर सकता है। वह बेटा इस बात को दिल पर ले गया। उसने बोरी से बेसन निकाला। पकौड़े बनवाएं-उन्हें नाम दिया इथनिक पकौड़े। तीसरे बेटे ने पकौड़ों का ठेला वहां लगाया, जहां तमाम टीवी चैनल थे। एक टीवी पत्रकार ने एक दिन पकौड़ेवाले से उसकी कमाई पूछी, तो पत्रकार हिल गया। टीवी पत्रकार जितने साल में कमाता था, उतने तो पकौड़ेवाला महीने में कमाता था। टीवी पत्रकार ने कालोबोरेशन किया पकौड़ेवाले से और पूरा खेल समझाया। कुछ दिनों में पकौड़ेश्वर बाबा के पोस्टर लग लिए पूरे शहर में। पकौड़ेश्वर बाबा टीवी पर आ लिए, फिर पकौड़ों का ठेला राष्ट्रीय हो लिया। पकौड़ेश्वर बाबा के प्रताप से इथनिक पकौड़े ऐसे चले कि धुआं मच गया। इथनिक पकौड़ेवाले ने अपने आईएएस भाई से पूछा-बता ईमानदारी से तू कितना कमा पाता है। आईएएस ने जो सेलरी बताई-उसे सुनकर इथनिक पकौड़ेवाले ने कहा-तू मेरी पकौड़ा कंपनी का सीईओ बन जा, उससे ज्यादा कमा लेगा। आईएएस नौकरी में परेशान था, क्योंकि उसका मंत्री हर महीने से उससे मोटी रकम की मांग करता था। आईएएस पकौड़ा कंपनी का सीईओ बन लिया। कंपनी की कमाई बहुत बढ़ गई तो इथनिक पकौड़े के मंत्री भाई ने कहा-भाई कुछ चंदा चिट्टा इधर भी दिया कर, तो पकौड़े को राष्ट्रीय खाद्य बनाने की दिशा में कुछ कैंपेन चलाएं। कुछ समय बाद इथनिक पकौड़ा कंपनी के मालिक का अपने परिवार में, अपने समाज में विकट जलवा हो गया। रामलीला से लेकर सन्नी लियोनी नाइट तक के लिए पकौड़ा कंपनी से चंदा जाने लगा। इस तरह से पकौड़ा कारोबारी चतुर्दिक लोकप्रिय हुआ और उसके आईएएस भाई और मंत्री भाई हाथ बांधकर उसकी दरबानी टाइप करने लगे। शिक्षा-इस कहानी से शिक्षा मिलती है कि पकौड़े से पूरा साम्राज्य खड़ा किया जा सकता है।

सत्संग

विद्या

ह्म-विद्या का अर्थ वह विद्या है, जिससे हम उसे जानते हैं, जो सब जानता है। ज्ञान के स्त्रोत को ही जान लेना ब्रह्म विद्या है। इसलिए भारत ने बाकी विद्याओं की बहुत फिक्र नहीं की। ब्रह्म-विद्या की फिक्र की। लेकिन उसमें अड़चन है, क्योंकि ब्रह्म-विद्या जानने को कभी लाखों-करोड़ों में एक आदमी उत्सुक होता है। पूरा देश नहीं। और भारत के जो श्रेष्ठतम मनीषी थे, वे ब्रह्म-विद्या में उत्सुक थे। और भारत का जो सामान्य जन था, उसकी कोई उत्सुकता ब्रह्म-विद्या में नहीं थी। लेकिन सामान्य जन और विद्याओं को विकसित नहीं कर सकता। परम मनीषी करते हैं। और परम मनीषी उन विद्याओं में उत्सुक ही न थे। इसलिए भारत ने बुद्ध, महावीर, कृष्ण, पतंजलि, कपिल, नागराजन, वसु बंध, शंकर को जाना भारत ने। इनमें से कोई भी अल्बर्ट आइंस्टीन हो सकता है, प्लांक हो सकता है। लेकिन भारत का जो श्रेष्ठतम मनीषी था, वह परम विद्या में उत्सुक था। और भारत का जो सामान्य जन था, उसकी तो परम विद्या में कोई उत्सुकता ही नहीं थी। उसकी उत्सुकता दूसरी विद्याओं में है। पश्चिम में दूसरी विद्याओं को विकसित किया क्योंकि पश्चिम के बड़े मनीषी और विद्याओं में उत्सुक थे। इसलिए अद्भुत घटना घटी। पश्चिम ने सब विद्याएं विकसित कर लीं और आज पश्चिम को लग रहा है कि आत्म-अज्ञान से भरा हुआ है। और पूरब ने आत्म-ज्ञान विकसित कर लिया और उसे लग रहा है। कि हमसे ज्यादा दीन और दरिद्र और भुखमरा दुनिया में कोई नहीं है। हमने अति कर ली, परम विद्या पर हमने सब लगा दिया दांव। उन्होंने दूसरी अति कर ली। आत्म विद्या को छोड़कर बाकी सब विद्याओं पर दांव लगा दिया। बड़ी उलटी बात है। वे आत्म-अज्ञान से पीड़ित हैं, और हम शारीरिक दीनता और दरिद्रता से। वह जो परम विद्या है, इस परम विद्या और सारी विद्याओं का जब संतुलन हो, तो पूर्ण संस्कृति विकसित होती है। इसलिए न तो पूरब और न पश्चिम ही पूर्ण है। फिर भी अगर चुनाव करना हो अगर तो परम विद्या ही चुनने जैसी है। सारी विद्याएं छोड़ी जा सकती हैं क्योंकि और सब पा कर कुछ भी पाने जैसा नहीं है। कृष्ण कहते हैं-मैं परम विद्या हूं सब विद्याओं में। लेकिन यह बात आप ध्यान रखना, और विद्याओं का वे निषेध नहीं करते हैं। और विद्याओं में जो श्रेष्ठ है, उसकी सूचना भर दे रहे हैं। यह नहीं कह रहे कि सिर्फ अध्यात्म-विद्या को खोजना है, बाकी सब छोड़ देना है।

फोटोग्राफी...

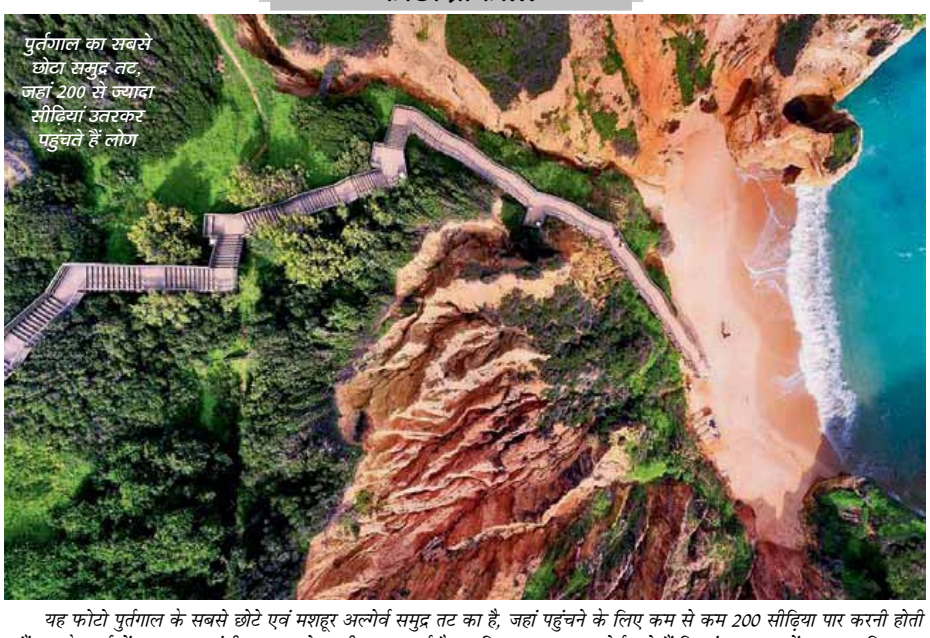

पुर्तगाल का सबसे छोटा समुद्र तट, जहां 200 से ज्यादा सीढ़ियां उतरकर पहुंचते हैं लोग

यह फोटो पुर्तगाल के सबसे छोटे एवं मशहूर अल्गेर्व समुद्र तट का है, जहां पहुंचने के लिए कम से कम 200 सीढ़िया पार करनी होती हैं। इसके मार्ग में एक तरफ ऊंची चट्टान तो दूसरी तरफ खाई है, इसलिए जगह-जगह बोर्ट लगे हैं कि संभलकर चलें। यह तट क्रिस्टल क्लीयर पानी के कारण मशहूर है, इसलिए लोग वहां जाते हैं। यह इसलिए भी विशेष है क्योंकि यह तट बहुत कम रेत क्षेत्र के साथ दो तरफ चट्टानों से घिरा है। इसे 'ड्रोनस्टा ग्राम' वेबसाइट पर लंदन के फोटोग्राफर जेरोम कर्टियल ने अपलोड किया था। इसी वेबसाइट ने नेशनल जियोग्राफिक के साथ मिलकर पांचवें ड्रोन फोटो कॉन्टेस्ट में इसे वर्ष 2017 के श्रेष्ठ फोटोग्राफ में चुना है। stoplusjednicka

''इंडियाज बिगेस्ट कवर-अप'

दुनिया जानती है कि देश की आजादी की लड़ाई में नेताजी सुभाष चंद्र बोस का योगदान अविस्मरणीय रहा पर पं. जवाहर लाल नेहरू ने अपनी हीनभावना के कारण जानबूझकर उनका लगातार अपमान किया। देश की आजादी के बाद भी नेहरू को लगता रहा कि नेताजी कभी भी देश के सामने प्रगट हो सकते हैं। इसलिए सारी कांग्रेसी सरकारें बोस परिवार पर दो दशकों तक पैनी खुफिया नजर रखती रहीं। वे कितने भयभीत थे इस सनसनीखेज तय का खुलासा हुआ है अनुज धर की पुस्तक ''इंडियाज बिगेस्ट कवर-अप' में। नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारत के उन गिने-चुने नेताओं में हैं, जिन्हें देश के आम-खास सभी तहे-दिल से आदर-सम्मान करते हैं। नामधारी सिख बिरादरी को ही ले लीजिए। लगभग हरेक नामधारी सिख के घर में उनका चित्र टंगा मिलेगा। नेताजी का नामधारी सिखों से संबंध 1943 के आसपास स्थापित हुआ था। नेताजी थाईलैंड में भारत को अंग्रेजी राज की गुलामी से मुक्ति दिलाने के लिए वहां बसे भारतीय समाज के साथ गहन संपर्क कर रहे थे। एक दिन नेताजी का थाईलैंड की नामधारी बिरादरी के प्रमुख सरदार प्रताप सिंह के आवास में जाने का कार्यक्रम बना। वहां पर तमाम नामधारी बिरादरी मौजूद थी। नेताजी ने नामधारी भाइयों से आह्वान किया कि उनकी धन इत्यादि से मदद करें ताकि गोरी सरकार को उखाड़ फेंक सकें। मौजूद नामधारी और गैर-नामधारी भारतीयों ने धन, गहने और अन्य सामानों का ढेर नेताजी के आगे लगा दिया। यह सब नेताजी ध्यान से देख रहे थे। पर नेताजी को तब कुछ हैरानी हुई जब उनके मेजबान (स. प्रताप सिंह) ने उन्हें अंत तक स्वयं कुछ भी नहीं दिया। तब नेताजी ने सरदार प्रताप सिंह से व्यंग्य के लहजे में पूछा, ''तो आप नहीं चाहते कि भारत माता गुलामी की जंजीरों से मुक्त हो?' जवाब में सरदार प्रताप सिंह ने विनम्रता से कहा, ''नेताजी, मैं तो इंतजार कर रहा था कि एक बार सारे उपस्थित लोग अपनी तरफसे जो देना है, दे दें। उसके बाद मैं उसके बराबर की रकम अपनी ओर से अकेले ही अलग से दे दूंगा। नेताजी टाटा स्टील मजदूर संघ के साल 1928 से 1937 तक लगातार नौ वर्षो तक प्रेसिडेंट रहे। टाटा स्टील की यूनियन का गठन 1920 में हुआ था। नेताजी ने यूनियन के अध्यक्ष चुने जाने के बाद कंपनी के चेयरमैन एन.बी. सकतावाला को 12 नवम्बर, 1928 को लिखे अपने एक पत्र में कहा कि, ''कंपनी के साथ सबसे बड़ी दिक्कत यह भी है कि कामगार सारे भारतीय हैं पर भारतीय अफसर बहुत कम। ज्यादातर अहम पदों पर ब्रिटिश ही हैं।' नेता जी के पत्र के बाद टाटा स्टील का मैनेजमेंट चेता और उसने अपना पहला भारतीय जनरल मैनेजर बनाया। नेताजी के आह्वान पर टाटा स्टील में 1928में एतिहासिक हड़ताल भी हुई। मैनेजमेंट से मजदूरों के हक में समझौता करने के बाद वे स्वाधीनता आंदोलन में कूद पड़े। ट्रेड यूनियन के इतिहास को जानने वाले जानते हैं, कि नेताजी के प्रयासों के बाद आगे चलकर देश की दूसरी बड़ी कंपनियों ने भी बोनस देना शुरू कर दिया। जमशेदपुर में मजदूरों का नेतृत्व करने के दौरान नेताजी को दो-दो बार एटक का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी चुना गया। 21 सितम्बर, 1931 को जब नेताजी जमशेदपुर टाउन मैदान में मजदूरों की सभा की अध्यक्षता कर रहे थे, तभी उन पर कातिलाना हमला भी किया गया। नेताजी और अन्य लोगों से मारपीट करने लगे। लेकिन निहत्थे मजदूर जब हमलावरों पर भारी पड़ने लगे तो वे भाग खड़े हुए। हमलावर नेताजी की हत्या की नीयत से आए थे, किन्तु सफल नहीं हुए। इस घटना में 40 लोग घायल हुए थे। टाटा स्टील मजदूर संघ को छोड़ने के बाद नेताजी देश की आजादी के लिए चल रहे राष्ट्रव्यापी आंदोलन का हिस्सा बन गए। देखते-देखते ही देश में लोकप्रिय नेता बन गए।

सार समाचार

इस कैच को देखकर आप भी कह उठेंगे अरे वाह!

सिडनी। सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग के एक मुकाबले में दर्शकों को शानदार कैच देखने को मिला। ड्वेन ब्रावो ने एक इनसाइड-आउट शॉट में बाउंड्री में खड़े बेन लाफ लिन की शानदार फील्डिंग कर उन्हें आउट किया। इस कैच को बाउंड्री पर लिए गए सबसे बेहतरीन कैचों में से एक माना जा रहा है। दरअसल सोमवार को लीग में एडिलेड स्ट्राइकर्स और मेलबर्न रेनिगेड के बीच मुकाबला खेला गया। एडिलेड स्ट्राइकर्स ने पहले बैटिंग करते हुए मेलबर्न रेनिगेड को 174 रन का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में मेलबर्न रेनेगेड्स की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 147 रन ही बना सकी। मेलबर्न रेनेगेड्स की पारी के 16वें ओवर में स्पिनर राशिद खान की गेंद पर वेस्ट इंडीज के ड्वेन ब्रावो ने एक इनसाइड-आउट शॉट खेला। गेंद हवा में लॉन्ग ऑफ बाउंड्री की तरफ जा रही थी। तभी बेन लाफ लिन दौड़ते हुए आए और गेंद पकड़ ली। मगर वो अपने आप को संभाल नहीं पाए और बाउंड्री के पार जाने लगे। लाफ्लिन ने गजब की सूझबूझ दिखाई और खुद बाउंड्री के बाहर जाने से पहले गेंद को मैदान की तरफ उछाल दिया। जिससे पीछे खड़े जेक वेदरलैंड ने गेंद को लपक लिया। लाफ्लिन और वेदराल्ड की जोड़ी ने बिग बैश लीग के इतिहास के सबसे यादगार कैचों में से एक पकड़ते हुए पूरी दुनिया को हैरान कर दिया।

लॉयड पोप ने बनाया रिकॉर्ड,लेकिन इरफान पठान से पीछे रह गए

क्रींसटाउन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड में खेले जा रहे अंडर-19 वर्ल्ड कप के पहले क्वार्टरफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 31 रन से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया की इस जीत के नायक रहे युवा लेग स्पिनर लॉयड पोप। पोप ने इस मुकाबले में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन किया। उन्होंने 9.4 ओवर की गेंदबाजी में 35 रन देकर इंग्लैंड के आठ खिलाड़ियों को आउट किया। इस दौरान उन्होंने दो ओवर मेडन भी रखे। क्रींसटाउन में खेले गए इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का फैसला किया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल सकी और 33.3 ओवर में मात्र 127 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से सबसे ज्यादा 58 रन कप्तान जेसन सांघा ने बनाए। छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरुआत काफी अच्छी रही और उसके ओपनर्स ने 7.2 ओवर में 47 रन जोड़ लिए थे। इसके बाद लेग स्पिनर लॉयड पोप की फिरकी का जादू चला। उन्होंने आठ विकेट चटकाए और इंग्लैंड

की पूरी टीम 23.4 ओवर में सिर्फ 96 रन पर ढेर हो गई। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने मैच को 31 रन से अपने नाम कर लिया।

लॉयड पोप को माना जा रहा है अगला शेन वॉर्न

इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए लायड को मैन ऑफ द मैच के खिताब से भी नवाज़ा गया। पोप के अलावा ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज़ उप्पल ने एक विकेट लिया। एक इंग्लिश बल्लेबाज रन आउट हुआ। पोप का एक्शन ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न से काफी मिलता-जुलता है। इसी वजह से पोप को नया शेन वॉर्न भी कहा जा रहा है। खास बात ये है कि वॉर्न भी लेग स्पिन गेंदबाज़ थे और पोप भी लेग स्पिन गेंदबाज़ी करते हैं।

लॉयड पोप नहीं तोड़ पाए इरफान पठान का रिकॉर्ड

लॉयड पोप अंडर 19 विश्व कप में एक मैच में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। अंडर 19 विश्व कप में यह अब तक किसी भी गेंदबाज़ द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। जहां तक लिमिटेड ओवर क्रिकेट का सवाल है, तो भारत के तेज गेंदबाज इरफान पठान ने अंडर-19 लेवल पर वनडे क्रिकेट में एक मैच में सबसे ज्यादा 9 विकेट चटकाए थे। यह अंडर-19 लेवल पर किसी भी गेंदबाज का अभी तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ साल 2003 में एक अंडर-19 वनडे मुकाबले में 7.5 ओवर की गेंदबाजी में तीन मेडन रखते हुए मात्र 16 रन देकर 9 विकेट चटकाए थे।

अंडर 19 विश्व कप की एक पारी में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़

लायड पोप (ऑस्ट्रेलिया) - 35/8- बनाम इंग्लैंड- 2018

जेसन राल्सटन (ऑस्ट्रेलिया) - 15/7- बनाम पपुआ न्यू गिनी- 2018

जीवन मेंडिस (श्रीलंका)- 19/7- बनाम जिम्बाब्वे- 2002

ट्रेंट बोल्ट (न्यूज़ीलैंड) - 20/7- बनाम मलेशिया- 2008

राहुल विश्वकर्मा (नेपाल)- 3/6- बनाम पपुआ न्यू गिनी- 2012

फिलैंडर ने फिर दी टीम इंडिया को चेतावनी, तीसरे टेस्ट से पहले दिया ये बड़ा बयान

जोहांसबर्ग। भारतीय टीम जब दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर आई थी, तो मेजबान तेज गेंदबाज वर्नन फ्लिैंडर ने कहा था कि टीम इंडिया ने अभी तक भारत में मैच जीते हैं और यहां परिस्थिति बिल्कुल अलग होगी। अब तीसरे टेस्ट से पहले एक बार फिर फ्लिैंडर टीम इंडिया को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि मेजबान टीम क्लीन स्वीप से नीचे कुछ नहीं चाहती।

पंजाब से हारकर कुश्ती लीग से खत्म हुआ मुंबई का सफर

नई दिल्ली। पंजाब रॉयल्स की टीम ने पेशेवर कुश्ती लीग (पीडब्ल्यूएली) के मुकाबले में यहां मुंबई महारथी को हराकर उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को तोड़ दिया। सीरीफोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में खेले जा रहे टूर्नामेंट के करो या मरो मुकाबले में पंजाब रॉयल्स की टीम ने मुंबई महारथी के खिलाफ 5-2 से जीत दर्ज की। मुंबई को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए इस मुकाबले में जीत हासिल करनी थी लेकिन तीन बड़े उलटफेर करके पंजाब ने मुंबई की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इसके साथ ही वीर मराठा की टीम सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी टीम बन गयी। मुंबई के स्टार पहलवान साक्षी मलिक, सत्यवत कादियान और ओडुनायो एडेकुओरोय उलटफेर के शिकार हुए। इस मुकाबले का पहली बाउट पुरुषों के 92 किलोग्राम भारवर्ग में खेली गयी जहां मुंबई महारथी के कादियान को पंजाब रॉयल्स के दीपक पूनिया ने 6-5 से हराकर बडा उलटफेर किया। इसके बाद महिलाओं की 76 किलोग्राम भारवर्ग में दो फ्रांसीसी पहलवानों के बीच मैच में पंजाब की सेलेन फांटा कोम्बा मुंबई की वेस्किन सेंथिया पर भारी पडी। इस जीत के साथ ही मुकाबले में पंजाब की टीम 2-0 से आगे हो गई। पुरुषों के 57 किलोग्राम भारवर्ग में खेले गये तीसरे मुकाबले में इर्डेनेबाटेन बेखब्यार ने पंजाब के मौजूदा राष्ट्रीय चैम्पियन उत्कर्ष काले को 10-0 से हराकर मुंबई की इस अहम मुकाबले में वापसी करायी। मुंबई को चौथे मुकाबले में फिर से हार का सामना करना पडा। मुंबई की ओडुनायो को उलटफेर गर्ल पंजाब की पूजा ढांडा ने चित-पट के आधार पर 4-2 से हराकर एक और उलटफेर कर दिया।

नई दिल्ली : प्रो कुश्ती लीग के मुकाबले का दृश्य।

न्यूज

रिलायंस एथलेटिक्स में दिखेगे दिल्ली के श्रेष्ठ एथलीट

मुम्बई। दिल्ली के स्कूलों और कॉलेजों के श्रेष्ठ एथलीट मंगलवार से यहां शुरू हो रही रिलायंस फाउंडेशन यूथ स्पोर्ट्स नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में देश के चुनिंदा एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करते नजर आएंगे। कांदीवली स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) सेंटर में आयोजित होने वाली इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में दिल्ली का प्रतिनिधित्व किरोड़ी मल कॉलेज, विद्यांगन स्कूल और सेंट जोसफ अकादमी के छात्र-छात्राएं करेंगे। दिसम्बर में आयोजित आरएफवाईएस सिटी चैंपियनशिप में इन स्कूल-कॉलेजों को एथलीटों ने चमकदार प्रदर्शन करते हुए नेशनल चैम्पियनशिप फाइनल के लिए जगह बनाई है। दिल्ली के एथलीटों का सामना आठ शहरों से जुटने वाले 550 से अधिक एथलीटों से होगा।

पैरा खिलाड़ियों के लिए प्रतिभा चयन ट्रायल कल

भोपाल। दिव्यांग खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देकर उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में पर्याप्त अवसर दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश के खेल विभाग ने मप्र पैरालंपिक प्रोग्राम तैयार किया है। खेल संचालक उपेंद्र जैन ने बताया कि प्रदेश के दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए यह कार्यक्रम बनाया गया है। इसका उद्देश्य पैरा खिलाड़ियों को उनकी प्रतिभा प्रदर्शन के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराना है। इसी श्रृंखला में कल स्थानीय टीटी नगर स्टेडियम में पैरा खिलाड़ियों के लिए प्रतिभा चयन ट्रायल आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के स्विमिंग चेयरमैन एवं मप्र पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के को-ऑर्डिनेटर डॉ. वीके डबास तथा पैरा कमेटी ऑफ इंडिया के एथलेटिक्स एक्सपर्ट गिरराज सिंह विशेष रूप से मौजूद रहेंगे उन्होंने बताया कि ट्रायल में तैराकी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन और तीरंदाजी खेलों के पूर्व में ऑनलाइन आवेदन करने वाले खिलाड़ी शामिल होंगे।

अम्बेडकर स्टेडियम में फुटबॉल उत्सव

नईदिल्ली। राजधानी स्थित डॉ अम्बेडकर स्टेडियम में 27-28 जनवरी को फुटबॉल उत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसके जरिये प्रतिभाओं की पहचान की जाएगी। फुटबॉल दिल्ली के प्रवक्ता एनके भाटिया ने सोमवार को बताया कि अम्बेडकर स्टेडियम में 27-28 जनवरी को फुटबॉल उत्सव का आयोजन किया जाएगा जिसमे अप्रैल से शुरू होने वाली वार्षिक लीग के बी और ए डिवीजन ओपन क्लबों के लिए प्रतिभाओं को ढूंढा जाएगा।

प्रो रेसलिंग लीग: मुम्बई का सफर समाप्त, अंतिम 4 में पहुंचे वीर मराठा

साक्षी मलिक को पंजाब की ग्रिगोर्जेवा ने चित किया

नई दिल्ली। प्रो रेसलिंग लीग 3 से मुम्बई महारथी का सफर लीग चरण में ही समाप्त हो गया है। दिल्ली के सीरीफोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में खेले गए करो या मरो के मुकाबले में मौजूदा चैंपियन पंजाब रॉयल्स की टीम ने मुंबई महारथी को 5-2 से हरा दिया। मुम्बई को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए इस मुकाबले में जीत हासिल करनी थी लेकिन कई बड़े उलटफेर करके पंजाब ने मुंबई की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इसके साथ ही वीर मराठा की टीम सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी टीम बन गई। पहले बाउट में शुरू हुआ पंजाब की जीत का सिलसिला छठी बाउट तक बरकरार रहा। मुकाबले में पहली बाउट पुरुषों के 92 किलोग्राम भार वर्ग में खेली गई जहांमुम्बई महारथी के सत्यव्रत कादियान को पंजाब रॉयल्स के दीपक पूनिया ने 6-5 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। इसके बाद महिलाओं की 76 किलोग्राम भार वर्ग में दो फ्रांसिसी पहलवानों के बीच मुकाबला खेले गया, जिसमें मुंबई की वेस्किन सेंथिया को पंजाब की सेलेन फांटा कोम्बा के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही मुकाबले में पंजाब की टीम 2-0 से आगे हो गई। वहींपुरुषों के 57 किलोग्राम भारवर्ग में खेली गई तीसरी बाउट में इडेंनेबाटेन बेखब्यार ने पंजाब के मौजूदा नैशनल चैंपियन उत्कर्ष कालेको 10-0 से हराकर मुम्बई को पहली जीत दिलाई। चौथी बाउट मुंबई की ओडुनायो और पंजाब की पूजा ढांडा के बीच खेला गया, जहां उलटफेर गर्ल पूजा ढांडा ने ओडुनायो को चित-पट के आधार पर 4-2 से हराकर एक और उलटफेर कर दिया।

पाक की न्यूजीलैंड के हाथों लगातार छठी हार

वेलिंगटन। पाकिस्तान का न्यूजीलैंड दौरे में खराब प्रदर्शन का सिलसिला बना हुआ है और उसे मेजबान टीम के हाथों पहले ट्वंटी-20 मैच में सोमवार को सात विकेट की करारी हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान की न्यूजीलैंड दौरे में यह लगातार छठी हार है। उसने इससे पहले वनडे सीरीज 0-5 से गंवाई थी। पाकिस्तान की टीम एक बार फिर न्यूजीलैंड की गेंदबाजी के हाथों नतमस्तक हो गयी और 19.4 ओवर में 105 रन पर ढेर हो गई। न्यूजीलैंड ने 15.5 ओवर में तीन विकेट पर 106 रन बनाकर मैच जीत लिया और तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। बाबर आजम (41) और हसन अली(23) को छोड़कर अन्य कोई बल्लेबाज दहाई की संख्या में नहीं पहुंच सका। पाकिस्तान के छह विकेट तो मात्र 38 रन पर गिर चुके थे। बाबर आजम ने 41 गेंदों पर एक चौके और एक छक्के की मदद से 41 रन की पारी खेली। नौवें नंबर के बल्लेबाज हसन अली ने 12 गेंदों में तीन छक्के उड़ाते हुये 23 रन ठोके जिससे पाकिस्तान 100 के नीचे ऑल आउट होने की शर्मिंदगी से बच गया।

इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट: पत्रिका और स्वदेश ने मुकाबले जीते

भोपाल। सुभाष (तीन विकेट, नाबाद 42 रन) के दोहरे प्रदर्शन से पत्रिका ने इंडिपेंडेंट मेल को पांच विकेट से हराकर 22वें आईईएस इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट में दूसरी जीत दर्ज की है। एक अन्य मैच में स्वदेश ने स्वराज एक्सप्रेस को 6 विकेट से हराया। ओल्ड कैंपियन मैदान पर सोमवार को पहले मैच में इंडिपेंडेंट मेल ने पांच विकेट पर 153 रन बनाए। इसमें वामिक खान ने 62, संजय शर्मा ने 40 और राहुल ने 30 रन बनाए। जवाब में पत्रिका ने जरूरी रन 15 ओवर में 5 विकेट पर बना लिए। इसमें राहुल ने 47 रनों का योगदान दिया। वामिक को दो विकेट मिले। दूसरे मैच में स्वराज की टीम 69 रन पर आल आउट हो गई। स्वदेश के श्यामसुंदर और शिवांश ने चार-चार विकेट लिए। जवाब में स्वदेश ने जरूरी रन 6.4 ओवर में चार विकेट पर बना लिए। इसमें सचिन ने 42 रनों की पारी खेली। श्यामसुंदर और सुभाष मैन ऑफद मैच चुने गए। उन्हें रेड रोज ग्रुप के संचालक सुमित पोंडा और डीएसओ जोंस चाको ने पुरस्कृत किया।

आज के मैच: राज एक्सप्रेस विरुद्ध एनएसटी सुबह 9:00 बजे से, अरेरा अकादमी विरुद्ध एनसीसीसी दोपहर 12:00 बजे से।

'खेलकूद सुशासन में सुधार' विषय पर कार्यशाला

भोपाल। आस्ट्रेलियन स्पोर्ट्स कमीशन की सीईओ केट पॉल्मर एवं डेकिन यूनिवर्सिटी के रिसर्च फैलो ज्योफ शॉनवर्ग ने 'खेलकूद सुशासन में सुधार' विषय पर आयोजित कार्यशाला में अपने अनुभव शेयर किए। दोनों मेहमानों ने कहा, समन्वित प्रयासों से ही खेलों का विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने आस्ट्रेलियाई खेल सुशासन की भी विस्तार से जानकारी दी। ग्रुप डिस्कशन: टीटीनगर स्टेडियम में सोमवार को कार्यशाला के बाद ग्रुप डिस्कशन में खेलों के सुधार पर चर्चा की गई। इसमें खेल संचालक उपेन्द्र जैन, साई की रीजनल डायरेक्टर मीना वोरा,ओलंपियन डॉ. मालव श्रॉफ, हॉकी कोच एमके कौशिक, सेलिंग कोच जीएल यादव, बॉक्सिंग कोच रोशनलाल, एथलेटिक्स कोच एसके प्रसाद, लॉन टेनिस कोच प्रवेत शुक्ला तथा मप्र तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा आदि अपने-अपने अनुभव साझा किए।

फैथ लिटिल मास्टर क्रिकेट : अरेरा एकेडमी को हराकर सेंट माईकल फाइनल में

भोपाल। रोमांचक मुकाबले में सेंट माईकल ने अरेरा क्रिकेट एकेड़मी को दो विकेट से हराकर छठे फैथ अंडर-15 लिटिल मास्टर क्रिकेट के फाइनल में प्रवेश किया। अंकूर खेल मैदान पर अरेरा एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर के मैच में 45 ओवर में 98 रन पर आल आउट हो गई। अरेरा के अमित सिंह ने 23 और अनुराग और वेदांत ने 14-14 रन बनाए। सेंट माईकल के मोहम्मद काजीम ने 3, सुरेश और आकाश को 2-2 विकेट लिए। जवाब में सेंट माईकल ने 75 रन पर 8 विकेट खो दिये थे लेकिन मोहम्मद काजीम ने नाबाद 18 रन की पारी खेलकर टीम को फाइनल में पहुंचा दिया। आयुष ने 25 और दिवा ने 23 रन की पारी खेली। अरेरा की ओर से अमित सिंह ने 5 विकेट लिए। मोहम्मद काजीम को संयुक्त रूप से फैथ मैन ऑफ द मैच दिया गया। फाइनल मैच मंगलवार को एनसीसी रेड ऐर सेंट माईकल के बीच सुबह नौ बजे से होगा।

कमल चावला की पहली जीत

भोपाल। वर्ल्ड नंबर-2 स्नूकर खिलाड़ी कमल चावला ने रेलवे के एस दिलीप कुमार को 3-0 (77-22,71-0, 70-60) से पराजित कर 85वीं सीनियर नेशनल बिलियर्ड्स व स्नूकर चैंपियनशिप में लीग मुकाबले में पहली जीत दर्ज की। चैंपियनशिप बेंगलुरु में खेली जा रही है।पहले लीग मैच में कमल महाराष्ट्र के शाहबाज खान से संघर्षपूर्ण मुकाबले में 2-3 से हार गए थे, लेकिन दूसरे मैच में कमल ने शानदार वापसी की और रेलवे के एस दिलीप कुमार पर 3-0 से जीत दर्ज कर अपने पूल से क्वालीफाई करने की उम्मीदें बरकरार रखी हैं। पहले दो फ्रेम कमल ने आसानी से 77-22 व 71-01 से जीतकर 2-0 की बढ़त बनाई। तीसरे फ्रेम में दिलीप ने अच्छा खेल दिखाया लेकिन कमल ने नजदीकी अंतर 70-60 से हराकर फ्रेम जीतकर मैच अपने पक्ष में कर लिया। वे अब 4 खिलाड़ियों के ग्रुप में दो मैच में एक जीत व एक हार के साथ दो फ्रेम डिफ्रेंस के साथ पहले स्थान पर आ गए हैं। हर पूल से पहले व दूसरे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी नाकआऊट के लिए क्वालीफाई करेंगें।

राउंडअप मुश्ताक अली ट्रॉफी: रैना के आतिशी शतक से यूपी ने बंगाल को पीटा

कोलकाता। पिछले काफी समय से अपनी फार्म से जूझ रहे ट्वंटी 20 के महारथी बल्लेबाज सुरेश रैना ने आखिर फार्म में वापसी कर ली और उन्होंने बंगाल के खिलाफ तूफानी 126 रन बनाकर उत्तर प्रदेश को सुपर लीग ग्रुप बी मैच में सोमवार को 75 रन से बड़ी जीत दिला दी।

रैना ने मात्र 59 गेंदों में 13 चौके और सात छक्के उड़ाते हुए नाबाद 126 रन ठोके, जिसकी बदौलत उप्र ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 235 रन का विशाल स्कोर बनाया। जवाब में बंगाल की टीम चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव की फिरकी का सामना नहीं कर सकी और 16.1 ओवर में 160 रन पर ढेर हो गई।बायें हाथ के बल्लेबाज रैना सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ट्वंटी 20 टूर्नामेंट में पिछले पांच मैचों में एक भी अर्धशतक नहीं बना पाए थे और इस दौरान उन्होंने 13, 01, 26, 02 और 13 के स्कोर किये थे। लेकिन इस मुकाबले में उनका बल्ला जमकर बोला और उन्होंने ट्वंटी-20 का अपना पांचवां शतक ठोक डाला। रैना को चेन्नई सुपर किंग्स टीम ने आईपीएल 11 के लिये रिटेन किया है।

रैना ने अक्षदीप नाथ (80) के साथ तीसरे विकेट के लिये 163 रन की बड़ी साझेदारी की। अक्षदीप ने 43 गेंदों में सात चौके और चार छक्के लगाये। बंगाल की तरफ से श्रीवत्स गोस्वामी ने सर्वाधिक 57 रन बनाये। कुलदीप यादव ने 26 रन पर चार विकेट और मोहसिन खान ने 35 रन पर तीन विकेट लिए।

राजस्थान ने झारखंड को हराया

राजस्थान ने रोमांचक मुकाबले में पांच गेंद शेष रहते झारखंड को सोमवार को चार विकेट से पराजित कर सुपर लीग ग्रुप ए में जीत के साथ शुरूआत की जबकि झारखंड को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा।झारखंड ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 157 रन बनाए। इशान किशन ने 39 और विराट सिंह ने 43 रन बनाए। दीपक चाहर और आदित्य गढ़वाल ने दो दो विकेट लिए। गढ़वाल ने फिर 40 गेंदों पर फिर 43 रन बनाये और राजस्थान ने 19.1 ओवर में छह विकेट पर 158 रन बनाकर जीत अपने नाम कर ली। सलमान खान ने 34 और दीपक ने नाबाद 20 रन बनाए। झारखंड के कप्तान वरूण आरोन ने 24 रन पर दो विकेट और जसकरण सिंह ने 42 रन पर दो विकेट लिए।

पंजाब की जीत में चमके युवराज सिंह

आईपीएल नीलामी के मद्देनजर स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह का चमकदार प्रदर्शन जारी है और उन्होंने अपनी टीम पंजाब को टूर्नामेंट के सुपर लीग ग्रुप ए मुकाबले में मुंबई के खिलाफ सोमवार को तीन विकेट से जीत दिला दी। मुंबई ने श्रेयस अय्यर की 44 गेंदों में आठ चौकों और चार छक्कों से सजी नाबाद 79 रन की पारी की बदौलत 20 ओवर में चार विकेट पर 198 रन का मजबूत स्कोर बनाया। लेकिन पंजाब ने 19.2 ओवर में सात विकेट पर 199 रन बनाकर लगातार दूसरी जीत हासिल कर ली। पंजाब ने रविवार को कर्नाटक को एलिमिनेटर में पराजित किया था। युवराज ने 34 गेंदों पर 40 रन की शानदार पारी में दो चौके और दो छक्के लगाए। ओपनर मनन वोहरा ने 42, गुरकीरत सिंह मान ने 43 और मनदीप सिंह ने 20 रन बनाए। मुंबई की तरफ से शिवम दुबे ने 27 रन पर तीन विकेट लिए।

शौरी के शौर्य से दिल्ली की बड़ौदा पर रोमांचक जीत

ध्रुव शौरी की 56 गेंदों पर आठ चौकों और दो छक्कों से सजी 74 रन की पारी के दम पर दिल्ली ने बड़ौदा को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सुपर लीग ग्रुप बी मुकाबले में सोमवार को दो विकेट से हरा दिया। बड़ौदा ने आठ विकेट पर 141 रन बनाए जबकि दिल्ली ने 19.1 ओवर में आठ विकेट पर 143 रन बनाकर जीत हासिल की। दिल्ली ने एक समय चार विकेट 41 रन पर गंवा दिए। शौरी ने एकतरफा मोर्चा संभाल कर खेलते हुए दिल्ली को जीत दिलाई।

भगवान भक्तों के भाव भूखे होते हैं: केसरी नंदन महाराज

परीक्षित मोक्ष की मार्मिक प्रसंग सुन श्रोता हुए भावुक

संवाददाता, सूरत। पांडेसरा इलाके के पानी टंकी के पास स्वामी नारायण मंदिर के सामने नवचेतन ग्राउन्ड में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन मंगलवार को व्यासपीठ से भागवत भूषण केसरी नंदन महाराज ने अपनी मृदुलवाणी से परीक्षित मोक्ष व भगवान को विदुर के घर शाक खाने की मार्मिक कथा प्रसंग का श्रोताओं को श्रवण कराया। कथा के दौरान उन्होंने कहा कि श्रापित होने के बाद परीक्षित गंगा के किनारे स्थित वट वृक्ष के नीचे भगवान शुकदेव से श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण किया। प्रसंग के दौरान कहा कि भगवान भक्तों के धन के नहीं बल्कि भाव के भूखे होते हैं। भगवान दुर्योधन के घर मेवा त्याग कर विदुर के घर शाक को खाकर अपने भक्त के भाव का सम्मान किया। कथा के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन सूरत महिला प्रमुख निशा संजय राय, महेश सेठ जैन, पारसनाथ पाल, शंकर भाई, रूपेन्द्र सिंह राणा उर्फ गोटिया, गीता सिंह राधे-राधे, सीता दूबे सहित काफी तादाद में श्रोता अमृतमयी श्रीमद्भागवत कथा का रसपान किया।

नकद, गहने सहित सवा लाख के सामान चोरी

बंद मकान को चोरों ने खंगाला

संवाददाता, सूरत। सलाबतपुरा इलाके में बीते दिन अनजान चोरों ने एक बंद मकान को खंगाला। चोर डुप्लीकेट चाबी से घर का मुख्य दरवाजा खोल कर अंदर घुस गए। घर में रखे बैग में नकद, सोने के आभूषण सहित सवा लाख के सामान चुराकर फरार हो गए। पीड़िता ने सलाबतपुरा थाने में चोरी का मामला दर्ज कराया।

सलाबतपुरा पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मुंबई के रबाब विला बीएमसी संकुल ग्रीन मस्जिद के नजदीक मरोलगांव अंधेरी निवासी सकीना पत्नी ताहिर भाई हुसेन लतीफ सूरत स्थित मुफलई मंजिल चल्ली वाल हॉल के सामने एचके स्ट्रीट झांपा बाजार में बीते 7 जनवरी को आई थी। वह किसी काम से बाहर गई थी।

युवक की जेब से 4 हजार कीमत की मोबाइल चोरी

सलाबतपुरा थाने में मामला दर्ज

संवाददाता, सूरत। भाठेना बीआरटीएस जक्शन पर बीते दिन एक युवक की जेब से कीमती मोबाइल चोरी हो गई। पीड़ित ने सलाबतपुरा थाने में अनजान चोर के खिलाफ चार हजार कीमत की मोबाइल चोरी होने का मामला दर्ज कराया।

सलाबतपुरा पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भठेना गरीब नवाज मस्जिद वाली गली रजानगर रूम नंबर 664 निवासी मुज्जफर अनवर शेख नौकरी करता है। वह बीते दिन किसी काम से भठेना बीआरटीएस जंक्शन पर गया था। इसी दौरान पीले कलर का टी-शर्ट पहना युवक उसकी जेब से जीयोनी कंपनी की गोल्डन कलर की 4 हजार कीमत की मोबाइल निकाल कर फरार हो गया। पीड़ित ने सलाबतपुरा थाने में अनजान के खिलाफ मोबाइल चोरी का मामला दर्ज कराया। सलाबतपुरा पुलिस मोबाइल चोरी का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

कुछ ट्रांसपोर्टरों ने बढ़ाया 10 फीसदी किराया

टीटीए की बैठक में लिया था निर्णय

संवाददाता, सूरत। गत रोज परवत पाटिया में टेक्सटाइल ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार कुछ ट्रांसपोर्टरों द्वारा सोमवार से 10 फीसदी किराया बढ़ाए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के ट्रेडर्स को सोमवार से पार्सल पर 10 फीसदी अधिक किराया चुकाना पड़ा। टीटीए के अध्यक्ष युवराज देसले ने बताया कि डीजल के बढ़ते दामों के कारण किराया बढ़ाने का निर्णय लिया गया। इसलिए सोमवार से 10 फीसदी किराये में वृद्धि की गई है। हालांकि कई ट्रांसपोर्टर ऐसे हैं जो कम

किराया बढ़ाये हैं। कुछ लोग पार्सल पर और कुछ लोग वजन के भाव से किराया लेते हैं। एक पार्सल में 70 से 75 साड़ियां होती हैं। कई ट्रांसपोर्टर प्रति किग्रा के हिसाब से 25 से 30 पैसे की बढ़ोत्तरी किए हैं। सूत्रों के अनुसार गत शनिवार को परवत पाटिया स्थित आरके हाउस में टेक्सटाइल ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की बैठक हुई थी, जिसमे डीजल के बढ़ते दामों को लेकर ट्रांसपोर्टर्स सोमवार से 5 से 10 फीसदी किराया बढ़ाने के लिए निर्णय लिए थे।

उल्लेखनीय है कि सूरत से यूपी, बिहार, राजस्थान, पंजाब, दिल्ली, आंध्रप्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, तमिलनाडु, असम, कर्नाटक, कोलकाता, केरल, बेंगलुरू, हरियाणा, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र सहित देश के सभी राज्यों में कपड़ा भेजा जाता है। प्रतिदिन 180 से 200 तक ट्रक में कपड़ा भरकर ट्रांस पोर्ट हो रहा है, जिससे डीजल के भावों में बढ़ोत्तरी होने के नाते ट्रांसपोर्टरों को भाव में वृद्धि करने के लिए निर्णय लेना पड़ा।

बिजनेस कॉन्क्लेव-2018 का श्रीगणेश 28 को

संवाददाता, सूरत। शहर के सरसाणा स्थित इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आगामी 28 जनवरी को बिजलेस कॉन्क्लेव का शुभारम्भ किया जाएगा।

गुजरात के बिजनेस हब सूरत में मौजूदा उद्योगों एवं अन्य इंडस्ट्री को वैश्विक स्तर के मापदंडों पर ले जाने के लिए बिजनेस कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया है। बीएनआई बिजनेस कॉन्क्लेव का शुभारम्भ 28 जनवरी रविवार को सुबह 9 बजे से होगा। जिसमे एक्सपर्टटॉक, पैनल डिस्कशन और नेटवर्किंग जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर विशेषज्ञों के साथ भी विचार विमर्श किया जाएगा।

संवाददाता, सूरत। भारत की आजादी के लिए लडने वाले नेता सुभाषचंद्र बोस की 121वीं जयंती के उपलक्ष्य में सूरत महानगर पालिका द्वारा मंगलवार को सुभाषचौक पर नेताजी को पुष्पांजली के साथ वंदना करते मेयर श्रीमती अस्मिताबेन पी. शिरोया तथा डे. मेयर श्री शंकरलाल चेवली।

चौथी औद्योगिक क्रांति की तैयारी करें: कोविंद

वड़ोदरा (ईएमएस)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा है कि चौथी औद्योगिक क्रांति और प्रौद्योगिकीय प्रगति साथ मिल कर कुछ खास रोजगारों को अप्रचलित कर देगी, पर इनसे नए अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि यह उच्च शिक्षण संस्थानों के ऊपर निर्भर है कि वे औद्योगिक एवं प्रौद्योगिकीय क्षेत्रों में तीव्र प्रगति के जरिए लाए जा रहे बदलावों पर ध्यान दें। महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय (एमएसयू) के 66 वें दीक्षांत समारोह में कोविंद ने समाज की बेहतरी के लिए शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था का स्वभाव और उसके कार्यस्थल की अवधारणा बदल रही है।

24 घंटों में महिला समेत तीन लोगों की आत्महत्या

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर में 24 घंटों के दौरान नारोल, शाहपुर और बापूनगर क्षेत्र में एक महिला समेत तीन लोगों ने आत्महत्या कर ली। स्थानीय पुलिस ने आत्महत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अहमदाबाद के नारोल क्षेत्र की गगनविहार सोसायटी निवासी 28 वर्षीय जयश्री परमार नामक महिला ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं शहर के दिल्ली चकला के निकट भोयवाडा निवासी 35 वर्षीय राकेश श्रीमाली नामक युवक ने किन्हीं कारणों से जहरीली दवाई पी ली। गंभीर हालत में राकेश को शहर के वीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान राकेश ने दम तोड़ दिया। राकेश की आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चला। अहमदाबाद के नारोल क्षेत्र की गगनविहार सोसायटी निवासी 28 वर्षीय जयश्री परमार नामक महिला ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसके अलावा पूर्वी अहमदाबाद के बापूनगर क्षेत्र की चंदूलाल चाली निवासी 21 वर्षीय राहुल पटणी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

14वीं गुजरात विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

सर्वप्रथम मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल ने ली शपथ

गांधीनगर (ईएमएस)। 14वीं गुजरात विधानसभा की प्रोटेम स्पीकर डॉ. नीमाबेन आचार्य ने मंगलवार को नवनिर्वाचित विधायकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उन्हें शपथ के लिए आमंत्रित किया। स्वर्णिम संकुल-1 के साबरमती खंड में कार्यरत विधानसभा में सबसे पहले सदन के नेता और मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। उसके बाद उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल ने शपथ ली। विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष गणपतसिंह वसावा और उसके बाद कैबिनेट मंत्रियों ने शपथ ली। इसके पश्चात नेता प्रतिपक्ष परेशभाई धानाणी और उनके बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जीतुभाई वाघाणी ने शपथ ली। इसके बाद राज्य मंत्रियों, मुख्य सचेतक पंकजभाई देसाई, उप मुख्य सचेतक आर.सी. पटेल,

सचेतक भरतसिंह डाभी ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। तत्पश्चात, विधानसभा की महिला सदस्यों और फिर विधानसभा बैठकों के क्रमानुसार विधायकों ने शपथ ली। दोपहर 12.00 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. नीमाबेन आचार्य ने शपथ के लिए विधायकों का आह्वान करते हुए कहा कि चुनाव आयुक्त से सभी चुने गए सदस्यों की सूची मिली है और विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार सभी चुने हुए सदस्यों को शपथ लेने के लिए मैं आमंत्रित करती हूं। उन्होंने सभी सदस्यों का हार्दिक स्वागत कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। विधायकों ने गुजराती, हिन्दी, संस्कृत और अंग्रेजी भाषा में शपथ ली। शपथ लेने के बाद विधायकों ने प्रोटेम स्पीकर डॉ. नीमाबेन आचार्य से हाथ मिलाया और उनका अभिवादन करने के बाद शपथ पर हस्ताक्षर किया।

हार्दिक की रूपाणी से मांग, पद्मावत न हो रिलीज

भाजपा पद्मावत फिल्म को लेकर राजनीति कर रही है:शक्तिसिंह गोहिल

सूरत पुलिस ने 23 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया

अहमदाबाद (ईएमएस)। हार्दिक पटेल ने विजय विजय रुपाणी को पत्र लिखकर मांग की है कि वह पद्मावत फिल्म को गुजरात में रिलीज न होने दें। उन्होंने इस चिट्ठी में लिखा है कि अगर पद्मावत गुजरात में रिलीज हुई तो कानून व्यवस्था बिगड़ने का डर है और इसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। फिल्म में इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई है। मेरी, आपकी और सबकी जिम्मेदारी है कि इतिहास के साथ मजाक बर्दास्त न किया जाए। महारानी पद्मावती अपने राज्य और स्त्रियों के सम्मान के लिए सती हुई थीं। मैं आपसे विनती करता हूं कि कानून-व्यवस्था और समाज की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए पद्मावत पर गुजरात में बैन लगाया जाए। बता दें कि दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह और शाहिद कपूर स्टारर यह फिल्म 25 जनवरी को रिलीज होनी है। हालांकि इसे लेकर देश के कई राज्यों में राजपूत करणी सेना विरोध प्रदर्शन कर रही है। उसने पिछले दिनों अहमदाबाद के हॉल में तोड़फोड़ भी की थी, जिसके बाद गुजरात के मल्टीप्लेक्स संचालकों ने फिल्म न दिखाने की घोषणा की है। वहीं विरोध प्रदर्शन को देखते हुए गुजरात सरकार ने सौ रास्तों पर राज्य परिवहन निगम की बसों का संचालन रोक दिया है।

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात समेत देशभर में संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत को लेकर विरोध के बीच कांग्रेस ने भाजपा आरोप लगाया है कि वह इस मुद्दे पर राजनीति कर रही है। पद्मावत को लेकर राज्य में उत्पन्न हालात के लिए भाजपा जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि उसकी दोहरी नीति और विचारधारा के कारण समस्या ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। भाजपा शासित राज्यों ने ऐलान कर दिया था कि हम अपने यहां फिल्म रिलीज नहीं होने देंगे। जिसका मतलब साफ है कि फिल्म में ऐसा कुछ पेश किया गया है, जो दिखाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि यदि यह भाजपा का नाटक नहीं था तो उसे सेन्सर बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून जोशी, जो पीएम मोदी के एड केम्पेनर हैं, उनसे कहकर पद्मावत को जारी सर्टिफिकेट वापस ले लेना चाहिए था। उधर सूरत के पुलिस आयुक्त सतीश शर्मा ने कहा कि पद्मावत फिल्म को लेकर रविवार को सूरत के कई इलाकों में उग्र प्रदर्शन किया गया। शहर के अलग अलग क्षेत्रों में लोगों की भीड़ ने गाडियां रोकीं, टायर जलाए और पुलिस अधिकारियों पर हमला समेत एक बस की शीशे तोड़ दिए। इन मामले में कापोद्रा और कतारगाम से 11 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सतीश शर्मा ने कहा कि यह पूर्व नियोजित साजिश का हिस्सा था। हांलाकि पुलिस ने तत्काल कार्यवाही कर हालात पर काबू पा लिया और जहां जरूरत थी, वहां बल प्रयोग कर स्थिति पर नियंत्रण किया। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं की अलग अलग पुलिस थाने में 5 मामले दर्ज किए गए हैं और 23 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

कच्छ जिले की मुंद्रा तहसील के निकट कुंदरोड़ी एवं रताळिया गांव के समीप इंडो-चाइना कंपनी के संयुक्त उद्यम के तहत स्थापित होने वाले क्रोमेनी इस्पात संयंत्र का मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने मंगलवार को शिलान्यास किया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com